डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी द्वारा प्रख्यात भौतिकशास्त्री एवं लेखक मणिलाल भौमिक के व्याख्यान का हुआ आयोजन

"मेरी किशोरावस्था में गाँधी जी के साथ बिताए गए सप्ताह एवं उसका प्रभाव" पर दिया व्याख्यान

नई दिल्ली, 4 जनवरी 2019। साहित्य अकादेमी द्वारा आज प्रख्यात भौतिकशास्त्री एवं लेखक मणिलाल भौमिक के व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का शीर्षक था "मेरी किशोरावस्था में गाँधी जी के साथ बिताए गए सप्ताह एवं उसका दीर्घकालीन दार्शनिक प्रभाव"। कार्यक्रम के प्रारंभ में साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने मणिलाल भौमिक का संक्षिप्त परिचय दिया और अंगवस्त्रम् एवं साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित पुस्तकें भेंट कर उनका स्वागत किया। उनके वक्तव्य से पहले उन पर केंद्रित एक वृत्तचित्र भी दिखाया गया। के. श्रीनिवासराव ने स्वागत भाषण में कहा कि ये साहित्य अकादेमी के लिए यह बेहद गर्व और उल्लास के क्षण हैं जब हम एक विश्वविख्यात वैज्ञानिक को अकादेमी में अपने बीच पा रहे हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के 150वें जन्मशताब्दी वर्ष 2019 में साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित यह पहला बड़ा व्याख्यान है।

अपने व्याख्यान के आरंभ में मणिलाल भौमिक ने गाँधी जी के विशाल व्यक्तित्व की चर्चा की। उन्होंने गाँधी जी से संबंधित अपनी स्मृतियाँ श्रोताओं से साझा करते हुए कहा कि उस समय गाँधी को साक्षात् देख लेना भगवान को देख लेने के बराबर था। यह उनका सौभाग्य था कि मेदिनापुर के एक कैंप में उन्हें गाँधी जी के साथ एक सप्ताह बिताने का अवसर मिला। यह 1945 की बात है और उस समय बंगाल भीषण अकाल की त्रासदी झेल रहा था। मेरी उम्र उस समय चौदह वर्ष थी। मैंने गाँधी को बड़ी तन्मयता से चरखा चलाते हुए तो देखा

(जारी...)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in

ही बल्कि विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए भी देखा है। वे सारे किसान एक नदी के किनारे इकट्ठे हुए थे और उन तक आवाज़ पहुँचाने के लिए लाउडस्पीकर भी कम पड़ गए थे। लेकिन उनको सुनने के लिए इकट्ठे हुए सभी लोगों की आँखों में जो सम्मान गाँधी के लिए था उसको भूल पाना अब भी संभव नहीं है।

मणिलाल भौमिक ने अपनी जीवनयात्रा के विविध पड़ावों के बारे में बताया और जीवन की विभिन्न स्थितियों–परिस्थितियों पर गाँधी जी के प्रभावों को विस्तार से रेखांकित किया। उन्होंने नेलशन मंडेला और आइंसटीन तथा मार्टिन लूथर किंग जैसे गाँधी जी के अनुयायियों का ज़िक्र करते हुए कहा कि गाँधी जी ने भारत ही नहीं विश्व के अनेक देशों के लोगों को आदर्श जीवन–मूल्यों के साथ जीने और सत्य के लिए अडिग संघर्ष करने की प्रेरणा दी है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन इंग्लैंड की अत्याधुनिक जीवनशैली वाला युवक गाँधी भारत की गरीब जनता के दुख–दर्द से इतना प्रभावित हुआ कि पूरे जीवन एक आम भारतीय जन बन कर जिया, और उनके लिए हर तरह की स्वतंत्रता हेतु संघर्ष किया।

मणिलाल भौमिक ने भौतिकशास्त्र के विभिन्न पदों और अवधारणों के परिप्रेक्ष्य में गाँधी जी के दर्शन और सिद्धांतों पर भी प्रकाश डाला।

इस व्याख्यान में अनेक साहित्यकार, साहित्यप्रेमी श्रोता उपस्थित थे।

(के. श्रीनिवासराव)

साहित्य अकादेमी
150
YEARS OF
CELEBRATING
THE MAHATMA
Lecture
by
ani Lal Bhaumik
Eminent Physicist and Author
Gandhiji & Its Lingering Philosophical Impact"
uary 2019, New Delhi

साहित्य अकादेमी
150
YEARS OF
CELEBRATING
THE MAHATMA
Lecture
by
Mani Lal Bhaumik
Eminent Physicist and Auth
k with Gandhiji & Its Lin
ilosophical Impact"
4 January 2019, Ne